>

Title: Reported refusal of Indian Commercial Pilot Association to carry flights to Kabul due to security considerations.

श्री मनीष तिवारी (लुधियाना): सभापति महोदय, भारतीय वाणिज्य विमान चालक संघ ने एयर इंडिया के प्रबन्धकों को एक खत लिखा है और उसमें लिखा है कि काबुल के लिए उड़ान भरना अति-असुरक्षित है। खत में और बातों के साथ-साथ जो बहुत ही चिन्ता का विषय है, वह यह है कि अपहरण से निपटने के लिए कोई स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रॉसीजर्स आयात नहीं किए गए हैं और न ही स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रॉसीजर्स मुहैया कराए गए हैं। कंधार के संदर्भ में, जिस प्रकार से पिछले दिनों अखबारों में छपा, जो सार्क देशों को हमारी उड़ानें जा रही हैं, उन्हें धमकी दी जा रही है। काबुल में हमारे दूतावास के ऊपर जो हमले हुए, जो अभी हाल में गैस्ट हाउस के ऊपर हमला हुआ, जिसमें भारतीय सैनिक मारे गए। इन सब चीजों को ध्यान में रखते हुए जो आई.सी.पी.ए. ने चिट्ठी लिखी है, उसके ऊपर ध्यान देना अत्यावश्यक है। मैं यह नहीं कहता कि काबुल नहीं जाना चाहिए। काबुल, अफगानिस्तान हमारा मित्र देश है। काबुल जाना हमारा फर्ज बनता है, पर उसके साथ-साथ हमारी यह भी जिम्मेदारी बनती है कि जो पैसेंजर्स हैं, जो विमान कर्मी हैं, उनकी सुरक्षा का भी ध्यान रखा जाए। मैं आज सरकार से मांग करना चाहता हूं, आईसीपीए को चिट्ठी लिखे हुए एक महीना हो गया है और अभी तक एयर इंडिया के प्रबंधकों की तरफ से कोई पुख्ता जवाब नहीं दिया गया है। इसीलिए इससे पहले कि कोई हादसा हो जाए, इससे पहले कि परिस्थितियां और बिगड़ें, यह बहुत जरूरी और आवश्यक बनता है कि सिविल एविएशन मंत्रालय इसमें हस्तक्षेप करके एयर इंडिया के प्रबंधकों को कहे कि आईसीपीए की रिप्रैजैंटेशन का पुख्ता जवाब दिया जाए क्योंकि ये लोग रोज अपनी जान को जोखिम में डालकर भारत के अफगानिस्तान के साथ जो रिश्ते हैं, उन्हें मजबूत करते हैं।